सुसंगति को जीवन में स्थान दें

-युवाचार्य महाश्रमण

बीदासर 16 फरवरी 09-

स्थानीय तेरापंथ भवन के श्रीमद् मघवा समवसरण में प्रातःकालीन प्रवचन मे आगम देशना प्रदान करते हुए युवाचार्य महाश्रमण ने कहा-व्यक्ति समूह में जीकर संगति करता है। आगम वाणी कहती है कि व्यक्ति अयोग्य, संस्कारहीन से संगति न करे। समूह में रहकर मित्र बनाने वाला अपना विवेक जगाए कि सुयोग्य, संस्कारी, मित्र ही सच्ची मित्रता निभा सकता है।

युवाचार्य ने सत्संग की विशद् व्याख्या करते हुए कहा-सुसंगति व्यक्ति को अनेक पापों से बचा देती है। अच्छे मित्र परकल्याणकारी होते है। साधुओं की संगति आत्मकल्याण का आधार बनती है। सन्तजन चलते-फिरते जंगमतीर्थ होते है। उनकी सन्निधि निर्जरा का निमि□ा बनती है। सत्संगति से अधिक के कर्म हल्के होते है। जिससे आनन्द प्रकट होता है।

महाश्रमण ने उदाहरणों से प्रवचन में प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा-व्यक्ति के जीवन में सत्संगति का भाव जागृत होना चाहिए। जिससे जीवन धन्य बनें। अच्छी संगति से अच्छे संस्कार तथा बूरी संगति से बुराई को बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है।

प्रवचन प्रवाह में युवाचार्य ने कहा-टी.वी. में अयोग्य और सुयोग्य दोनों प्रकार के दृश्य होते है। व्यक्ति अयोग्य दृश्य और संस्कारों से बचे। सुसंगति को जीवन में स्थान दें।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पंजाब के अध्यक्ष प्रो. राजेन्द्रसिंह भण्डारी ने आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शन कर उन्हें पंजाब पधारने की भावना व्यक्त की। भण्डारी के साथ पंजाब तेरापंथ समाज के अध्यक्ष चौधरी रघुबीरसिंह थानेदार, महामंत्री कमल नोलखा, कोषाध्यक्ष विजय गोयल, विनोद जैन भी उपस्थित थे। इस अवसर पर भण्डारी को मर्यादा महोत्सव व्यवस्था समिति के सहमंत्री अभयराज बैंगाणी, उपाध्यक्ष मोहनलाल चोरड़िया ने उन्हें साहित्य भेंट कर सम्मान किया। समणी मृदुप्रज्ञा ने गीत का संगान किया। कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीतकुमार ने किया।

दृष्टि बदलो सृष्टि बदल जाएगी

प्रेक्षाध्यान से दृष्टिकोण बदलता है। दृष्टि बदलते ही सृष्टि बदल जाती है। प्रेक्षाध्यान केवल आंख मूंद कर बैठना ही नहीं है अपितु जीवन को बदलने की प्रक्रिया है। बैठने की मुद्रा, सही श्वास का प्रयोग एवं संकल्प का प्रयोग आदतों को बदल देता है। आदत चाहे फिर कैसी ही क्यों न हो, नशे की आदत, गुस्से की आदत, झूठ बोलने की आदत अनुप्रेक्षा और संकल्प के प्रयोग से रूपान्तरण हो जाता है। अनिमेष प्रेक्षा नाटक का प्रयोग, एकाग्रता के साथ भीतरी आंख का उद्घाटन करता है। प्रेक्षाप्राध्यापक मुनि किशनलाल ने आदतों को बदलने के विविध प्रयोग कराए। उन्होंने कहा कि आदत को रूपान्तरिक करना है तो उसका विकल्प देना होगा। प्रेक्षाध्यान कायोत्सर्ग और अनुप्रेक्षा ऐसे विकल्प है जिससे व्यक्ति बदल जाता है।

नोट :- फोटो नेट द्वारा भेजा गया है।

बीदासर 16 फरवरी 09-

निकटवर्ती ग्राम साण्डवा की अभिलाषा शिक्षण संस्थान का वार्षिकोत्सव रविवार की देर शाम सुजानगढ़ के पंचायत समिति के प्रधान पुसाराम गोदारा की अध्यक्षता में धूमधाम से

समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा, श्रम एवं रोजगार मंत्री मा.भंवरलाल मेघवाल थे।

शाला के वार्षिकोत्सव पर छात्रा-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की रंगारंग प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में ऋतुरानी छाबड़ा ने कजरा रे, कजरा रे तेरा कारे कारे नैना....., ज्योति एण्ड पार्टी ने देश रंगीला रंगीला रे....., पूजा व ममता एण्ड पार्टी ने गोरबंद नखरालो... ..... तथा संस्था के व्याख्याता वीरेन्द्र सिंह चारण ने कविता के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध किया।

इस अवसर पर शिक्षा, श्रम एवं रोजगार मंत्री मेघवाल ने कहा-मैरे इस शिक्षा मंत्री काल में किसी भी विद्यालय या महाविद्यालय में यह प्रथम कार्यक्रम है। मुझे विद्यालयों एवं महाविद्यालय के कार्यक्रमों के निमंत्रण मिलते रहते है यहां तक कि अब तक एक हजार के करीब निमंत्रण मिल चुके है परन्तु मेरा हर कार्यक्रम में जाना सरीक होना संभव नहीं है। क्योंकि यदि मैं सभी कार्यक्रमों सरीक होता हूं तो मंत्रालय का कार्य देखना ही मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने गत भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि राजस्थान में पहले 100 बी.एड.कॉलेज थे लेकिन भाजपा ने अपने क्षुद स्वार्था की पूर्ति हेतु 800 बी.एड. कॉलेजों की स्वीकृति प्रदान कर राजस्थान के साथ खिलवाड़ किया है। यहां तक कि जिन कॉलेजों को स्वीकृती प्रदान की गई है उन अधिकांश कॉलेजों में छात्र-छात्राओं के बैठने तक की व्यवस्थाएं नहीं है तथा सुविधाओं का नितांत अभाव है। जिनकी शिकायतें मुझे बराबर मिल रही है। उन कॉलेजों के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर उनकी एड रोक दी जाएगी। भविष्य में यदि बी.एड. कॉलेजों ने अपना मानदण्ड पूरा नहीं किया तो उनकी मान्यता तक निरस्त कर दी जाएगी।

इस अवसर पर अभिलाषा शिक्षण संस्थान की प्रशंषा करते हुए कहा-यह विद्यालय शिक्षा के सभी मानदण्डों को पूरा करता है। तथा इस विद्यालय में अनुशासन एवं सुसंस्कारित होने की शिक्षा दी जाती है जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रतिभावान छात्रछात्राओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ती पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा सुश्री आंठवी बोर्ड परीक्षा में जिले में प्रथम स्थान पर रही छात्रा रीना लखोटिया को ग्यारह सौ का चैक, प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में प्राचार्य सत्यनारायण शर्मा ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संस्था निदेशक रामगोपाल चौधरी ने अतिथियों का शॉल व साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ शिक्षा मंत्री ने मां सरस्वती की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

नोट :- फोटो नेट द्वारा भेजा गया है।